केंद्रीय विद्यालय संगठन, तिनसुकिया संभाग
पूर्व परिषदीय परीक्षा 2024- 25
विषय – हिंदी (आधार)
विषय कोड – (302)
कक्षा – बारहवीं

निर्धारित समय: 03 घंटे **अधिकतम अंक: 80 अंक**

सामान्य निर्देश :-

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए: -
- यह प्रश्न-पत्र तीन खंडों में विभाजित है।
- खण्ड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खण्ड – ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खण्ड – ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

	खण्ड 'क' अपठित बोध	
प्रश्न 1-	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- डॉ० जाकिर हुसैन भारत के असली सपूत थे, इसका सबूत उन्होंने पदारूढ़ होने के एक दिन पहले तब दिया, जब वे दिल्ली में श्रृंगेरी के जगद्गुरु स्वामी शंकराचार्य से भेंट करने गए। जगद्गुरु के सामने पुष्प और फल रखते हुए उन्होंने कहा था, आपका आशीर्वाद चाहिए और शंकराचार्य ने राष्ट्रपति के सिर पर हाथ रख कर उन्हें आशीर्वाद दिया था। ऐसी ही एक और घटना याद आती है -उपराष्ट्रपति निवास के अहाते में एक दिन सवेरे घूम रहे थे तो देखा कि माली के घर में कीर्तन हो रहा है। फिर क्या था, टहलते हुए उधर चले गए और सबके साथ एक कोने में दरी पर बैठ गए। जब कुरसी लाने के लिए कहा गया तो बोले, 'भगवान के घर में सब बराबर होते हैं' और दरी पर बैठे रहे। पटियाला में पंजाबी विश्वविद्यालय में गुरु गोबिंद सिंह के संस्थान की नींव रखने को आपसे कहा गया तो बोले, "आपने मुझसे इस पवित्र संस्थान की नींव रखने को कहा है। इससे मुझे याद आता है कि अमृतसर में दरबार साहब की नींव डालने के लिए भी एक मुसलमान को ही बुलाया गया था," और यह कहते-कहते उनका गला भर आया, आँखों से आँसू बहने लगे। बड़े-बड़े योद्धा, सिख सरदार, श्रोताओं की भी उस समय आँखें भर आई। अपने साफ़-सुथरे सुरुचिपूर्ण खादी के कपड़ों और सुरुचि से सँवारी सफेद दाढ़ी के बीच चमकते हल्के गुलाबी गौर वर्ण मुखमंडल से जाकिर साहब प्रेम और आत्मीयता में गाँधी जी के अंतिम उत्तराधिकारी नजर आते थे। देश के आने वाले बच्चे बापू को भूल न जाएँ, इस संबंध में उन्होंने एक बार कहा था, "आप आज्ञा दें तो इस अवसर से लाभ उठाकर गाँधी जी के संबंध में कुछ आपसे कहूँ। उनको जानने और समझने से उनके काम को समझना और उसमें जी-जान से लगना जरा सरल हो सकता है। यह इसलिए और भी करना चाहता हूँ कि अब दिन पर दिन उन लोगों की संख्या घट रही है जिन्होंने गाँधी जी को देखा था, उनके साथ काम किया था, उनके बताए हुए रास्ते पर चले थे। जब वे दुनिया से गए तो ये लोग बच्चे थे., बहुत से पैदा भी नहीं हुए थे। उनकी गिनती अब दिन-पर-दिन बढ़ती ही जाएगी। नया काल होगा, नए हाल होंगे, नए जंजाल होंगे, ऐसा न हो कि यह नयी	**10**

	नस्ल गाँधी जी और उनके तह में जो विचार थे उनको भुला बैठे। ऐसा हुआ तो हमारी सबसे मूल्यवान पूँजी बर्बाद हो जाएगी।"	
(क)	उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक का चयन करें | (i) धार्मिक कट्टरता (ii) धर्म का महत्त्व (ii) सांप्रदायिक सद्भावना (iv) सांप्रदायिकता	1
(ख)	डॉ० जाकिर हुसैन पंजाबी विश्वविद्यालय में गुरु गोबिंद सिंह के संस्थान की नींव रखने कहाँ गए ? (i) पंजाब में (ii) दिल्ली में (iii) शृंगेरी में (iv) पटियाला में	1
(ग)	डॉ० जाकिर हुसैन किस संदर्भ में गांधी जी के उत्तराधिकारी माने जाते हैं ? (i) केवल खादी कपड़ों के प्रयोग के संदर्भ में (ii) केवल आत्मीयता के संदर्भ में (iii) केवल प्रेम और आत्मीयता के संदर्भ में (iv) उपर्युक्त सभी	1
(घ)	जब कुरसी लाने के लिए कहा गया तो डॉ० जाकिर हुसैन ने क्या बोले?	1
(ड)	उपराष्ट्रपति निवास के अहाते में एक दिन सवेरे घूम रहे थे तो क्या देखा और क्या किया?	2
(च)	देश के आने वाले बच्चे बापू को भूल न जाएँ, इस संबंध में उन्होंने एक बार क्या कहा था ?	2
(छ)	डॉ० हुसैन के अनुसार हमारी मूल्यवान पूँजी कब बर्बाद हो जाएगी ?	2
प्रश्न -2	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए--- सच हम नहीं सच तुम नहीं सच है महज संघर्ष ही संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम जो नत हुआ वह मृत हुआ, ,ज्यों वृत्त से झरकर कुसुम जो लक्ष्य भूल रुका नहीं, जो हार देख झुका नहीं , जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही , सच हम नहीं, सच तुम नहीं | ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जडता रहे जो है जहां चुपचाप अपने आप से लड़ता रहे, जो भी परिस्थितिययाँ मिले कांटे चुभें कलियां खिलें , टूटे नहीं इंसान,है संदेश जीवन का यही , सच हम नहीं सच तुम नहीं	8
(क)	प्रस्तुत काव्यांश का उचित शीर्षक है? (i) जीवन संघर्ष (ii) निराशा (iii) जीवन में पलायन (iv) इसमें से कोई नहीं	1
(ख)	प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने किसको जीवन सत्य माना है? (i) कठिनाई से हार मान लेने को (ii) निरंतर संघर्षशील रहने को (iii) सुख सुविधाओं का भोग करने को (iv) ये सभी	1
(ग)	कविता में जीवन का क्या संदेश है?	1

	(i) मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में हार मान लेना चाहिए। (ii) कठिनाई देखकर रुक जाना चाहिए। (iii) बाधाओं को देखकर घबरा जाना चाहिए। (iv) जीवन में संघर्ष करते हुए सुख मिले या दुख उसकी परवाह किए बिना लगातार संघर्षशील रहना चाहिए।	
(घ)	कवि के अनुसार जीत किसकी होती है?	1
(ड)	"नत हुआ वह मृत हुआ. ज्यों वृत्त से झरकर कुसुम" पंक्ति से कवि का क्या आशय है?	2
(च)	कवि के अनुसार जीवन में जड़ता मिटाने के लिए व्यक्ति को क्या करना चाहिए?	2
	खण्ड -ख (अभिव्यक्ति और माध्यम)	अंक 22
प्रश्न-3	दिए गए तीन अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए ---------- • चौराहे पर भीख माँगता बच्चा • सालों बाद मिला बचपन का मित्र • बच्चों में घटती सामाजिकता	**1 x 6 =6**
प्रश्न-4	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए –	4 x 2 =8
(क)	प्रिंट माध्यम की कमियों पर प्रकाश डालिए|	
(ख)	टेलीविजन खबरों के विभिन्न चरणों के नाम लिखिए|	
(ग)	कहानी और नाटक में क्या-क्या समानताएं होती हैं ?	
(घ)	कैप्टिव आंडिएंस किसे कहते हैं ?	
(ड)	रटंत को बुरी लत क्यों कहा गया है ? नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन द्वारा इससे कैसे बचा जा सकता है ?	
प्रश्न-5	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 80 शब्दों में उत्तर दीजिए|	4 x 2 =8
(क)	कहानी को नाटक में रूपांतरित करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?	
(ख)	फ़ीचर और समाचार में प्रमुख अंतर बताइए ।	
(ग)	नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में कौन-कौन सी बातों का ध्यान रखना चाहिए?	
	खण्ड -ग (आरोह और वितान पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)	
प्रश्न-6	निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-	5x1 =5
	आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था ज़ोर ज़बरदस्ती से बात की चूड़ी मर गई और वह भाषा में बेकार घूमने लगी ! हारकर मैंने उसे कील की तरह उसी जगह ठोंक दिया। ऊपर से ठीक-ठाक पर अंदर से न तो उसमें कसाव था न ताकत ! बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह मुझसे खेल रही थी,	

	मुझे पसीना पोंछते देख कर पूछा- "क्या तुमने भाषा को सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?"	
(क)	'बात की चूड़ी मर गई' कथन का क्या अभिप्राय है? i. बात का प्रभावहीन हो जाना ii. बात के कठिन भावों का समाप्त हो जाना iii. बात में सहजता का समावेश iv. बात की गंभीरता का बने रहना	1
(ख)	कवि को किस बात का डर था? i. उसकी बात श्रोता पर अपेक्षित प्रभाव नहीं डाल पाएगी ii. उसकी बात दबा दी जाएगी iii. उसकी बात समाज में स्थान प्राप्त कर पाएगी iv. उपरोक्त में से कोई नहीं	1
(ग)	निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए पद्यांश के अनुसार **सही कथन** को चयनित कर लिखिए। i. बात के कसाव से कवि का अभिप्राय बात का अवांछित प्रभाव डालना है। ii. बात के कसाव से कवि का अभिप्राय बात का वांछित प्रभाव डालना है। iii. बात के कसाव से कवि का अभिप्राय बात का समाप्त हो जाना है। iv. बात के कसाव से कवि का अभिप्राय बात के साथ ज़ोर-ज़बरदस्ती करना है।	1
(घ)	निम्नलिखित कथन और कारण को पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए- **कथन (A):** कवि ने बात को कील की तरह ठोंक दिया। **कारण (R):** कवि की बात भाषा में उलझ गई थी । i. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है। ii. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है। iii. कथन (A) व कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) सही व्याख्या नहीं करता। iv. कथन (A) व कारण (R) दोनों सही हैं, कारण(R) कथन(A) की सही व्याख्या है ।	1
(ड)	भाषा को सहूलियत से बरतने का अभिप्राय है- i. कथ्य और बात में सामंजस्य ii. ख.भाषा को सहजता से प्रयोग में लाना iii. बात का पकड़ में न आना iv. भाषा को अलंकृत बनाना	1
प्रश्न-7	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए---	2x3=6
(क)	'आत्मपरिचय' कविता दुनिया के साथ कवि की प्रीति-कलह की कविता है – कथन पर टिप्पणी कीजिए ।	3
(ख)	'परदे पर वक्त की कीमत है' कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नजरिया किस रूप में रखा है ?	3
(ग)	बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों को बादल राग कविता रेखांकित करती है?	3
प्रश्न-8	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए---	2x 2=4
क	फ़िराक की रुबाइयों में चित्रित घरेलू जीवन के बिम्ब लिखिए|	2

<table>
<tr><td>ख</td><td>शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस में वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है ?</td><td>2</td></tr>
<tr><td>ग</td><td>उषा कविता के किन उपमानों को देखकर कहा जा सकता है कि उषा कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र है ?</td><td>2</td></tr>
<tr><td>प्रश्न-9</td><td>निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-
सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है-नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ | उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने, इसी से जब मैंने कंठी माला देखकर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गदगद हो उठी।</td><td>5x1 =5</td></tr>
<tr><td>(क)</td><td>भक्तिन के सेवक धर्म की तुलना .....से की गई है।
(i) हनुमान
(ii) लक्ष्मण
(iii) तुलसीदास
(iv) मीराबाई</td><td>1</td></tr>
<tr><td>(ख)</td><td>पर मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है' में 'मेरे' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?
(i) भक्तिन के लिए
(ii) लक्ष्मी के लिए
(iii) भक्तिन की विमाता के लिए
(iv) लेखिका के लिए</td><td>1</td></tr>
<tr><td>(ग)</td><td>भक्तिन द्वारा अपना वास्तविक नाम लोगों को न बताए जाने का सबसे प्रमुख कारण था-
(i) वास्तविक नाम के अर्थ और उसके जीवन के यथार्थ में विरोधाभास
(ii) वास्तविक नाम बताने से लोगों के बीच उपहास बनने का भय
(iii) वास्तविक नाम के अनुरूप भक्तिन में रूप-सौदर्य का अभाव
(iv) वास्तविक नाम के अनुरूप अपने भीतर गुणों का अभाव</td><td>1</td></tr>
<tr><td>(घ)</td><td>कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए ----
कॉलम 1 कॉलम 2
<table><tr><td>(1)गोपालिका की कन्या</td><td>(अ)लछमिन</td></tr><tr><td>(2)इतिवृत्त</td><td>(ब)जीवन का ब्यौरा</td></tr><tr><td>(3)कंठीमाला से नामकरण</td><td>(स)भक्तिन</td></tr></table>(i) 1-(अ), 2-(ब), 3-(स)
(ii) 1-(स), 2-(अ), 3-(ब)
(iii) 1-(ब), 2-(स), 3-(अ)</td><td>1</td></tr>
</table>

	(iv) 1-(ब), 2-(अ), 3-(स)	
(ड)	'भक्तिन बहुत समझदार है।'- इस कथन के पक्ष में महादेवी जी द्वारा दिया गया तर्क है- (i) वह घर और खेत-खलिहानों के कार्यों में निपुण है (ii) उसने अपने जीवन के इतिवृत्त को महादेवी जी को बता दिया (iii) वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को नहीं बताती (iv) वह अपने वास्तविक नाम का उपयोग करती थी	1
प्रश्न-10	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए-	2x3=6
(क)	जाति प्रथा को श्रम-विभाजन का एक रूप न मानने के पीछे आम्बेडकर के क्या तर्क हैं ?	3
(ख)	लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों माना है ?	3
(ग)	इंदर सेना पर पानी फेंके जाने के सन्दर्भ में लेखक व जीजी के मत लिखिए |	3
प्रश्न-11	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए-	2x2=4
(क)	बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने का मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है ?	2
(ख)	लुट्टन ने ऐसा क्यों कहा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है ?	2
(ग)	भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी ? उसे यह नाम किसने और क्यों दिया होगा ?	2
प्रश्न-12	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए–	2x 5=10
(क)	यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है किन्तु यशोधर बाबू असफल रहते हैं | ऐसा क्यों?	5
(ख)	जूझ शीर्षक का औचित्य स्पष्ट करते हुए कथानायक की केन्द्रीय चारित्रिक विशेषता स्पष्ट कीजिए |	5
(ग)	सिंधु सभ्यता को जल-संस्कृति कैसे कह सकते हैं? कारण सहित उत्तर दीजिए |	5